कैसे जानें कि आपका समझने का भाव शत्रु द्वारा बंदी बना लिया
गया है?

प्रश्न: आप कैसे जान सकते हैं कि आपकी समझ पर शत्रु ने अधिकार कर लिया है? इसके क्या लक्षण हैं?

प्रभु यीशु मसीह के नाम की महिमा हो।

इस बात की जांच करने से पहले कि क्या हमारी समझ आत्मिक अंधकार से प्रभावित है, हमें पहले यह जानना आवश्यक है कि बाइबल के अनुसार वास्तविक समझ क्या है।

1. बाइबल के अनुसार “समझ” क्या है?

आइए हम अय्यूब 28:28 देखें:

“और उस ने मनुष्य से कहा, देख, प्रभु का भय मानना ही बुद्धि
है, और बुराई से दूर रहना ही समझ है।”

बाइबल के अनुसार, वास्तविक समझ केवल बौद्धिक ज्ञान या सामान्य समझदारी नहीं है – यह नैतिक और आत्मिक विवेक है। यह बुराई को पहचानने और उससे दूर रहने की क्षमता है। यदि कोई व्यक्ति बुराई से दूर नहीं रहता, तो वह समझ से रहित है — आत्मिक दृष्टि से उसका

कैसे जानें कि आपका समझने का भाव शत्रु द्वारा बंदी बना लिया
गया है?

मन बंदी बना लिया गया है।

यह बात रोमियों 1:21 में भी प्रतिध्वनित होती है:

“क्योंकि यद्यपि उन्होंने परमेश्वर को जान लिया, तौभी न तो
उसे परमेश्वर के रूप में महिमा दी, न धन्यवाद किया, परंतु वे अपने विचारों में व्यर्थ हो गए, और उनकी निर्बुद्धि
मन:स्थिति अंधकारमय हो गई।”

जब कोई व्यक्ति पाप में बना रहता है और बुराई से अलग नहीं होता, तो उसका सोच व्यर्थ और अंधकारमय हो जाता है — यह एक बंदी बनाए गए या भ्रष्ट मन का प्रमाण है।

2. जब किसी की समझ बंदी बना ली जाती है तो वह कैसा दिखता है?

“बुराई से दूर रहना” (अय्यूब 28:28) केवल क्षणिक प्रलोभन से बचना नहीं है — यह पाप और उसके सभी मार्गों से दूर रहना है।

उदाहरण:

मद्यपान: समझ रखने वाला व्यक्ति उन स्थानों, वार्तालापों और मित्रताओं से दूर रहता है जो उसे प्रोत्साहित करते हैं।
(नीतिवचन 20:1; इफिसियों 5:18 देखें)

कैसे जानें कि आपका समझने का भाव शत्रु द्वारा बंदी बना लिया
गया है?

यौन पाप: वह व्यक्ति चंचल व्यवहार, अनुचित वस्त्र, असावधानीपूर्वक बातचीत और वासनापूर्ण डिजिटल सामग्री से दूर रहता है।
(1 थिस्सलुनीकियों 4:3–5; 2 तीमुथियुस 2:22 देखें)
निंदा और चुगली: वह अफ़वाह फैलाने वाली बातों और समूहों से दूर रहता है। (नीतिवचन 16:28; याकूब 3:5–6 देखें)
क्रोध, गंदी भाषा, चोरी, और भ्रष्टाचार: वह उन वातावरणों से अलग रहता है जहाँ
ऐसे कार्य सामान्य माने जाते हैं।
(इफिसियों 4:29–32; कुलुस्सियों 3:5–10 देखें)

यदि कोई व्यक्ति बार-बार इन बातों में लिप्त रहता है या इनके प्रति सहज रहता है, तो यह दर्शाता है कि उसकी आत्मिक समझ या तो कमज़ोर है या शत्रु द्वारा नियंत्रित हो गई है। अब वह परमेश्वर की आत्मा द्वारा नहीं, बल्कि अंधकार के शासक – शैतान – के प्रभाव में चल रहा है।

2 कुरिन्थियों 4:4 में पौलुस चेतावनी देता है:

“उन अविश्वासियों के मन को इस संसार के देवता ने अंधा कर
दिया है, ताकि मसीह की महिमा के सुसमाचार का प्रकाश उन तक न पहुँचे।”

ऐसी आत्मिक अंधता किसी को भी प्रभावित कर सकती है — चाहे वह पास्टर हो, बिशप, भविष्यवक्ता, गायक, राष्ट्राध्यक्ष या

कैसे जानें कि आपका समझने का भाव शत्रु द्वारा बंदी बना लिया
गया है?

प्रतिष्ठित व्यक्ति। यदि आप पाप से अलग नहीं हो सकते, तो आपकी समझ बंदी बन चुकी है।

मत्ती 7:21–23 में यीशु ने कहा:

“हर एक जो मुझ से कहता है, ‘हे प्रभु, हे प्रभु,’ स्वर्ग के
राज्य में प्रवेश नहीं करेगा; परंतु वही जो मेरे स्वर्गीय
पिता की इच्छा को पूरा करता है।”

3. क्या समझ को पुनः प्राप्त किया जा सकता है?

हाँ — परंतु केवल मानव प्रयास से नहीं। यह केवल परमेश्वर की कृपा से संभव है, और वह भी सच्चे मन परिवर्तन और यीशु मसीह में विश्वास से आरंभ होता है।

प्रेरितों के काम 3:19:

“इसलिए मन फिराओ और लौट आओ, ताकि तुम्हारे पाप मिटाए जाएं।”

कैसे जानें कि आपका समझने का भाव शत्रु द्वारा बंदी बना लिया
गया है?

जब हम सच्चे पश्चाताप के साथ मसीह की ओर लौटते हैं, तब परमेश्वर हमें पवित्र आत्मा का वरदान देता है, जो हमारे मन को नया बनाता है और सही और गलत में भेद करने की शक्ति देता है।

रोमियों 12:2:

“इस संसार के समान न बनो, परंतु अपने मन के नए हो जाने से रूपांतरित हो जाओ, ताकि तुम जान सको कि परमेश्वर की इच्छा
क्या है।”

पवित्र आत्मा हमें न केवल पाप से बचने, बल्कि उससे घृणा करने और उससे दूर रहने में समर्थ बनाता है – जैसे कि अय्यूब 28:28 में कहा गया है। यही पहचान है कि हमारी समझ पुनःस्थापित हो रही है।

4. पुनःस्थापित समझ के फल

अनंत जीवन: ऐसी समझ हमें पवित्रता में चलने और परमेश्वर से मेल में लाती है। (यूहन्ना 17:3)
इस जीवन में स्वतंत्रता: हम उद्देश्य, स्पष्टता और आत्म-संयम के साथ जीते हैं। (यूहन्ना 8:32)
आत्मिक परिपक्वता: हम बुद्धिमानी में बढ़ते हैं और ऐसे निर्णय लेते हैं जो परमेश्वर की इच्छा को दर्शाते हैं।
(इब्रानियों 5:14)

कैसे जानें कि आपका समझने का भाव शत्रु द्वारा बंदी बना लिया
गया है?

यदि आप यह पाते हैं कि आप पाप से दूर नहीं हो पा रहे हैं — या होना ही नहीं चाहते — तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आपकी आत्मिक समझ कमजोर हो गई है या बंदी बना ली गई है। लेकिन आशा है। पश्चाताप और यीशु मसीह के सामने समर्पण के द्वारा आपका मन नया किया जा सकता है और आपकी समझ पुनःस्थापित हो सकती है।

नीतिवचन 3:5–6:

“तू अपने सम्पूर्ण मन से यहोवा पर भरोसा रख, और अपनी समझ का सहारा न ले।
अपनी सब बातों में उसी को स्मरण कर, और वह तेरे मार्ग सीधे करेगा।”

परमेश्वर आपको आशीर्वाद दे, आपकी आंखें खोले, और आपकी समझ को पुनःस्थापित करे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

कैसे जानें कि आपका समझने का भाव शत्रु द्वारा बंदी बना लिया गया है?

Share on:
WhatsApp